टाईम्स ऑफ इंडिया 26/11/2019

# UGC picks DAVV's research capacity building idea

TIMES NEWS NETWORK

**Indore:** Devi Ahilya Vishwavidyalaya (DAVV) is among the only two universities from Madhya Pradesh that have been selected to represent a project for Scheme for Trans-disciplinary Research for India's Developing Economy (STRIDE) scheme at University Grants Commission (UGC).

Among numerous projects that were enrolled from across the country for UGC's STRIDE scheme, only 58 projects have been selected. If the project is selected by UGC, the varsity will be eligible for a maximum grant of Rs1 crore.

DAVV's project is about the research capacity building and human resource development focused on colleges and universities to identify motivated young talents with research and innovation aptitude. It is based on the component one of STRIDE scheme.

"This project will help improve research quality keeping transparency. As it had to be trans-disciplinary not many were able to qualify and I have been told that only 30 % projects of the total have been selected," School of Economics faculty Vishakha Kutumbale told TOI.

The duration of the scheme will be three years from the date of receipt of first instalment of approved grant, she added.

DAVV vice-chancellor Renu Jain said that this project will be extremely beneficial for the varsity as it is not limited to one discipline.

"We are extremely proud that the project on the research capacity building of the varsity has been selected. We will be representing the project at UGC," she added.

## UNIVERSITY EYES ₹1 CRORE GRANT

- If DAVV's project is approved by UGC, the university will get a maximum grant of ₹1cr
- Only 58 projects from higher educational institutions (HEIs) have been selected across country, of them two are from MP

- The project is brainchild of DAVV School of Economics faculty Vishakha Kutumbale
- DAVV vice-chancellor Dr Renu Jain will accompany Kutumbale, who will present the project before the UGC
- The projects have been selected on basis of merit after being critically evaluated with help of expert peer review, Scientific Advisory Committee (SAC), Search-cum-Selection Committee (SSC) and Project Monitoring Committee (PMC) appointed by the UGC

---

पत्रिका . इंदौर, मंगलवार, 26 नवंबर, 2019
patrika.com

नैक को मिली पीयर टीम की रिपोर्ट: पिछली बार 3.09 अंक लाने पर मिली थी ए ग्रेड, अब 3.25 या इससे ज्यादा की संभावना

# डीएवीवी 'ए प्लस' की परीक्षा में पास!

पत्रिका इंडेप्थ स्टोरी

**पत्रिका न्यूज नेटवर्क**
patrika.com

**इंदौर.** देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में नैक का दौरा निपटने के बाद अब ग्रेड के लिए गुणा-भाग जारी है। डीएवीवी ए प्लस प्लस ग्रेड से तो दूर मानी जा रही है, लेकिन ए या ए प्लस ग्रेड आना तय है। सेल्फ स्टडी रिपोर्ट (एसएसआर) पूरी तरह से मान्य की गई, तो ए प्लस आसानी से मिल जाएगी। पीयर टीम ने नैक को दौरे की रिपोर्ट सब्मिट कर दी है।

डीएवीवी में इससे पहले तीन बार नैक का दौरा हो चुका है। पहली दौरे तक स्टार रेटिंग दी जाती थी, तो चार स्टार मिली थी। इसके बाद हुए दौरे में बी ग्रेड और 2014 में सबसे बेहतर ए ग्रेड मिली। ए ग्रेड संस्थानों की संख्या बढ़ने पर नैक ने ए प्लस और ए प्लस प्लस ग्रेड निर्धारित कर दी। पिछली बार डीएवीवी 3.09 स्कोर के साथ ए ग्रेड लाने में सफल रही। अब ए प्लस के लिए 3.26 से 3.50 के बीच सीजीपीए स्कोर करना होगा। 3.51 से 4 के बीच सीजीपीए होने पर ही ए प्लस प्लस मिल सकती है। परमानेंट फैकल्टी और रिसर्च की कमी से यूनिवर्सिटी पहले ही ए प्लस प्लस की दौड़ से बाहर हो चुकी है, लेकिन ए प्लस की पूरी उम्मीद है।

फाइल फोटो

## इन बिंदुओं पर हुआ आकलन

| | | | |
|---|---|---|---|
| करिकुलम ऑस्पेक्ट्स | 150 | इंफ्रा. एंड लर्निंग रिसोर्सेस | 100 |
| टीचिंग-लर्निंग, इवैल्यूएशन | 200 | स्टूडेंट सपोर्ट एंड प्रोग्रेस | 100 |
| रिसर्च, इनोवेशंस, एक्सटेंशन | 250 | गवर्नेंस, लीडरशिप, मैनेजमेंट | 100 |

## एसएसआर ने बढ़ाई उम्मीद

नए प्रारूप के अनुसार 70 फीसदी अंक सेल्फ स्टडी रिपोर्ट और 30 फीसदी अंक पीयर टीम की रिपोर्ट के रहेंगे। एसएसआर यूनिवर्सिटी ने ही तैयार की है। अगर इसे मान्य किया तो 3.0 तक सीजीपीए सिर्फ एसएसआर से ही मिल जाएंगे यानी इस आधार पर पिछली बार के मुकाबले ज्यादा सीजीपीए स्कोर हो रहा है। पिछले साल से कम से कम 0.17 से ज्यादा की बढ़त हासिल करने पर ही ए प्लस मिलेगी।

## निश्चित ही बेहतर स्कोर करेंगे

नैक से हम अच्छे नतीजे की उम्मीद कर रहे हैं। निश्चित रूप से पिछली बार से ज्यादा स्कोर करने में सफलता मिलेगी।

**प्रो. रेणु जैन,** कुलपति,

नैक के हर क्राइटेरिया का ध्यान रखा। परमानेंट फैकल्टी की कमी पर पीयर टीम को बताया कि सरकार से मंजूरी मिलते ही यह दूर हो जाएगी। बाकी बिंदुओं पर अच्छा स्कोर करेंगे।

**प्रो. अशोक शर्मा,** आइक्यूएसी प्रभारी, डीएवीवी